बाबोसा मेरी अर्जी स्वीकार तू कर लेना

तर्ज - बचपन की मोहब्बत को ....

बाबोसा मेरी अर्जी स्वीकार तू कर लेना
आया हु शरण तेरी , चरणों मे जगह देना

मैं दींन हीन निर्बल , तुझे याद करूँ हरपल
है जी हो... हो.. हो
मैं दींन हीन निर्बल , तुझे याद करूँ हरपल
है अतुल बलि मुझको , तुम दे दो अपना बल
तुम दाता हो में याचक , मेरी झोली भर देना
बाबोसा मेरी अर्जी.....

हनुमत की कृपा से है , तेरी कलयुग में सत्ता
है जी हो... हो.. हो
हनुमत की कृपा से है , तेरी कलयुग में सत्ता
तेरी मर्जी के बिना बाबा , हिल न सके पत्ता
नादान समझ हमको , बाबा तू निभा लेना
बाबोसा मेरी अर्जी.....

हर ओर निराशा है , तुमसे ही बंधी एक आस
है जी हो... हो.. हो
तेरी चौखट न छोडू ,जब तक है तन में सांस
मुझे दिल मे बिठा दिलबर मेरे भाग्य जगा देना
बाबोसा मेरी अर्जी.....

✍ रचनाकार ✍
दिलीपसिंह सिसोदिया
❤ दिलबर ❤
नागदा जक्शन म.प्र.

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20031/title/babosa-meri-arji-savikaar-tu-kar-lena

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |